

विषम परिस्थिति पर नियंत्रण ही जीवन की अग्नि परीक्षा

जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा सझस्के अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगीस कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता, संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए। अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की उर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है क्योंकि वह

जाकर हा जापण न सफलता के पल आपके सामने आएंगे स निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती हैस जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियाँ आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियाँ जीवन के अलग-अलग पहलू हैं। इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुर्जी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित प्रयास करता ह, परापर पह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुरक्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में

अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस, मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता

सफल जवाब ना होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं, दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादार्इ व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, छात्र के विषय में परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए। उच्च मनोबल और साहस की ऊर्जा ही मनुष्य को नई दिशा, नए प्रकाश पुंज की ओर अग्रसर करती है।

संजीव ठाकुर, स्तंभकार,
चिंतक, लेखक, रायपुर

गरारे करते समय इन बातों का रखें ध्यान

सर्दी का मौसम हो गर्मी का, गले में खराश की समस्या हर मौसम में बनी रहती है। बढ़ता प्रदूषण, धुल-मिट्टी इसके मुख्य कारणों में से एक है। ऐसे समय में गले में खराश या अन्य समस्याओं से निजात पाने के लिए गरारे करने की सलाह दी जाती है। यह हर घर का देशी नुस्खा है, जो हमेशा काम आता है। गले की समस्या या बलगम होने पर तो गरारे करना फायदेमंद होता ही है, इसके साथ ही रोजाना गरारे करने से स्वास्थ संबंधी कई समस्याएं भी दर होती हैं।

किए जाते हैं। गरारे करने के ऐसे निम्नलिखित तरीके हैं। नमक के पानी से— गरारे करने के सबसे पुराने तरीकों में से एक तरीका नमक के पानी से गरारे करना है। नमक में एंटी-बैकटीरियल गुण होते हैं, जिससे मुंह में मौजूद कीटाणु तो मरते ही है, साथ ही साथ इससे गले की सूजन और दर्द भी कम होता है। लौंग के पानी से— लौंग में ऐसे गुण होते हैं, जो मुंह में मौजूद कीटाणुओं को मारते हैं और गले की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए 2-3 लौंग को पानी में उबाल लें और इस मिश्रण से गरारे करें। हल्दी के पानी से— हल्दी में

पानी से— इसके लिए पानी में अदरक के टुकड़े डालकर उसे अच्छी तरह से धौला कर छान लें, इसके बाद मिश्रण वाले पानी से गरारे करें। अदरक गले की समस्याओं को दूर करने में मददगार होता है। माउथवॉश से— आप चाहे तो माउथवॉश से भी गरारे कर सकते हैं। इसमें गले की समस्या को दूर करने के कई गुण होते हैं। इसके लिए पानी में माउथवॉश मिलाकर गरारे करें लेकिन इस बात का ध्यान रखें यह पानी गले के अन्दर ना जाए। गरारे करते समय इन बातों का रखें ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म ना हो, नहीं तो मुंह जल सकता है। गरारे करते समय अपने सिर

— 1 —

गरार करने के प्रकार कम करने का गुण हात है, यहाँ इसलिए इससे गरारे करने के कई फायदे होते हैं। इसके साथ सबसे आम तरीका पानी में दो चुटकी हल्दी लिए पानी में दो चुटकी हल्दी मिलाकर गर्म कर लें और लेकिन पानी में कई प्रकार इस मिश्रण से गरारे करें।

181

टिकट नहीं कन्फर्म !

खूब चलाई ट्रेन ।
बहुत बिछाया जाल ॥
टिकट नहीं कन्फर्म ।
बड़ा बुरा है हाल ॥
रोज है स्पेशल ।

बुद्धि बुद्धि मशक्कत होती ।
है सब कुछ पर व्यर्थ ॥
है करना स्वीकार अब ।
उत्तर का उपहार ॥
बड़ी ये आबादी ।

कब होना सुधार ?
है भविष्य के गर्भ ॥
व्याकुल रहते यात्री ।
इसी के सन्दर्भ ॥

इसा के सन्दर्भ

भौजन की बर्बादी के भयावह स्थिति दुनिया की भूख पर पड़ रही भारी

संयुक्त राष्ट्र संघ की फूड वेस्ट इंडेक्स सर्वे के अनुसार 2021 में हर एक नौ में से एक व्यक्ति पर्याप्त भोजन तथा आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित रह जाता है संयुक्त राष्ट्र संघ के स्थानीय संगठन के आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया में एड्स, मलेरिया, टीवी और करोना 2021 में जितने व्यक्ति की मृत्यु हुई है उससे कहीं ज्यादा लोग भुखमरी से ग्रस्त होकर भगवान को प्यारे हो गए हैं संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के अनुसार ही पूरी दुनिया में गरीबों की संख्या लगभग 130 करोड़ है और दूसरी तरफ दुनिया में सर्वाधिक गरीब व्यक्ति भारत में निवासरत हैं संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत फूड वेस्ट इंडेक्स 2021 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 93 करोड़ लाख तक खाना कूड़े करकट के रूप में बर्बाद हुआ है से जिमें घरों से निकला हुआ भोज्य पदार्थ का कूड़ा करकट लगभग 55; होटल रेस्टोरेंट एवं अन्य बाजार के भोजन बेचने वालों 24; तथा अन्य क्षेत्र में लगभग 22 से 24: भोजन बर्बाद हुआ है से पूरे विश्व में भोजन के बर्बाद होने से भुखमरी के आंकड़े और भी बढ़ गए हैं स बड़ी हैरानी और हैरतअंगेज बात यह है कि पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति 1 साल में लगभग 122 से 124 किलोग्राम भोजन बर्बाद कर देता है स भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 50 किलो, अफगानिस्तान 82 किलो, नेपाल 79 किलो, श्रीलंका 76 किलो, पाकिस्तान 74 किलो और भूटान जैसा छोटा देश 79 किलो भोजन बर्बाद करता है स भोजन बर्बाद करने की एवं भोजन को कूड़ा करकट बनाकर फेंकने की कुसंस्कृति ही लगातार कई देशों को गरीब से गरीबतर बनाते जा रही है स पूरे विश्व स्तर पर विकासशील एवं गरीब देश भोजन की निर्मम बर्बादी करते आ रहे हैं स एक तरफ संयुक्त राष्ट्र संघ भुखमरी उन्मूलन के लिए अभियान छेड़ कर रखा है जिसका नाम दिया गया है जीरो हंगर यानी कि भुखमरी शून्य स्तर पर लाने का प्रयास जारी है पर इस अभियान में विकासशील, गरीब तथा विकसित देश अपने देशों में खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट को फेंक कर अवरोध पैदा करने में कोई कमी बेसी नहीं छोड़ रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में कुछ विकासशील देशों में बढ़ती जनसंख्या और लगातार गिरते अनाज के उत्पादन के साथ-साथ अन्न की निर्मम बर्बादी की वजह से दुनिया भर में भूख और भुखमरी से पैदा होने वाली समस्याओं तथा भुखमरी से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह भारत देश का दुर्भाग्य है कि कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में करीब 50 हजार करोड़ की कीमत का हर साल अपशिष्ट के रूप में अन्न बर्बाद होता है, शायद आपको अंदाजा ना हो कि इतना अनाज बिहार जैसे बड़े राज्य की जनसंख्या को 1 वर्ष तक अन्य की आपूर्ति कर सकता है। भोजन की बर्बादी एक सामाजिक अपसंस्कृति एवं कुसंस्कृति की तरह व्याप्त होती जा रही है, विवाह समारोह अन्य उत्सव बफे सिस्टम एवं अन्य सामाजिक समारोह में अपनी थाली में हो रहा है। एवं उस जमीन की उर्वांशक्ति का भी निरंतर क्षण ज्यादा से ज्यादा भोजन लेकर उसे बर्बाद कर देने की प्रवृत्ति अब आम हो गई है और थाली में पड़ा हुआ अनाज या तो सड़ जाता है अथवा बाहर फेंक दिया जाता है। भोजन की इस तरह बर्बादी एक तरह से कुसंस्कृति को बढ़ावा देकर एक सामाजिक बुराई के रूप में सामने आ रही है। अनाज को थाली या कूड़ेदान में फेंक देने से उससे कवल अनाज की बर्बादी नहीं होती बल्कि ऊर्जा, जल, पोषक तत्वों की बर्बादी होती है। अलावा इसको पैदा करने वाले किसानों को भी एक तरह निराशा का सामना करना पड़ता है अनाज उत्पादन के लिए जितनी मेहनत मशक्तत किसान करता है उसके अलावा खेती की जमीन बढ़ाने के लिए वनों का विनाश भी बड़ी तेजी से हो रहा है एवं उस जमीन की उर्वांशक्ति का भी निरंतर क्षण ज्यादा से ज्यादा भोजन लेकर

समाजवादी शिक्षक सभा की जिला संगठन कमेटी की घोषणा



का सम्बाधित करत हुए कहा कि शिक्षक वो समाज का पहरेदार जो समाज को दिशा देने का काम करता है समाज के कुरितियों को अपने शिक्षा के माध्यम से सही दिशा देने का काम करता है आज जीस तरह भाजपा सरकार में लगातार शिक्षकों का उत्पीड़न हो रहा है वह देश व समाज के लिए हानिकारक है। शिक्षक का अगर किसी ने सम्मान किया उनके दुखदर्द भावनाओं को समझा उनका नाम र्ख मुलायम सिंह यादव था और जब भी समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तब तब शिक्षकों को मजबूत करने का काम किया। जहाँ शिक्षकों की रिटायरमेंट 60 वर्ष था वहाँ तत्कालीन मुख्यमंत्री र्खं मुलायम सिंह यादव ने 62 वर्ष करने का काम किया वही 14 सौ जूनियर हाई स्कूल एवं संस्कृत विद्यालय मदरसा विद्यालय को ऐड देने का काम किया था जब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री हुए तो उन्होंने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए शिक्षा मित्रों को सहायक अध्यापक बनाने का काम किया और वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय देने का काम किया लेकिन भाजपा सरकार सभी को खत्म करनें का काम किया भाजपा सरकार कभी भी शिक्षकों के हितों में कोई

काम नहा किया बाल्क
शिक्षकों को उत्पीड़न करने
का काम किया है। कहा
आज शिक्षकों की जिम्मेदारी
है कि देश और प्रदेश को
बर्बाद करने वाली भाजपा
सरकार को उखाड़ फेंकने
के लिए संकल्प लें और
समाज को भाजपा सरकार
के कुकर्मा को बतायें।
विशिष्ट अतिथि निर्वत्तमान
जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ
पाल एवं पूर्व विधायक
लालबहादुर यादव, ने अपने
विचार व्यक्त किया।
अध्यक्षता पूर्व जिलापचायात
अध्यक्ष राजबहादुर यादव ने
किया। कार्यक्रम में मुख्य
रूप राजे न्द्र टाईगर,

हरालाल वश्कमा, अखण्ड
प्रताप यादव, राहुल त्रिपाठी,
च न द्र इ १ खा र
यादव,लालबहादुर यादव,
यादवेंद्र यादव,यशकांत
गौतम,अशोक दुबे, चन्द्रसेन
विश्कर्मा, फैयाज अहमद,
इबरार अली,गणेश मौर्या,
ज्ञान प्रकाश विश्वकर्मा
रामजस पटेल जयप्रकाश
पाल विनोद कुमार मौर्य
कमलेश विश्कर्मा कांति
लाल यादव सुनील सिंह डॉ
र मे शा यादव ब ब लू
यादव,रमेश सरोज पंकज
कुमार सिंह अनिल दुबे
मायाकांत,अखिलेश डॉ लाल
साहब,शैलेश आदि लोग
उपस्थित रहे ॥

विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वांचल गोरखपुर। नगर पंचायत घघसरा स्थित एक मैरेज हांल में चेयरमैन प्रभाकर दुबे द्वारा रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूरे देश में चलाए जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप शुक्ल रहे। क्रायक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप शुक्ल ने कहा कि हम सबको अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है। कि जिन्होंने देश को एक विकसित भारत के रूप में पूरे विश्व के पटल पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। अब वह दिन दूर नहीं है। जब देश विश्व के पटल पर एक विकसित राष्ट्र के रूप में जाना जायेगा। जिससे सभी देश वासी अपने आप पर गर्व महसूस कर रहा है। और कार्यक्रम को चेयरमैन प्रभाकर दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी और

मुख्यमंत्री योगी जी द्वारा गरीबों के मुफ्त में दी जाने वाली योजनाओं से उनके जीने का सहारा मिल गया जिससे लोग चाहे आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना से गैस सिलेंडर किसान सम्मान निधि और बिना छत के लोगों को आवास देकर नगर पंचायत के लाभार्थियों को अनको आवास देकर सभी गरीबों को योजना का लाभ दिया है। जो इस नगर पंचायत में आज मोदी सरकार के गारंटी योजना की गाड़ी आज आकार सरकार की उपलब्धियां बता रही हैं। कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना के लाभार्थी पूजा शर्मा ने योजना के लाभ के बारे में मंच से आकर बताया। पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थी उमेश चन्द ने लाभ से अपने खुशाहाली के बारे में बताया। आवास योजना के लाभार्थी मांशा अल्लाह ने मंच से पीएम आवास पाने पर अपनी खुशाहाली व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, पाठ्य स्टाफ आफिस, आयुष्मान कार्ड सहित आदि विभागों के स्टाल लगाकर लोगों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में विधायक व चेयरमैन ने जैरून निशा को आवास की चारी सौंपी। वही उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को कोशल्या गैस सर्विस से सविता पाल को गैस कने क्षमता दिया गया। और कार्यक्रम में ईओआशुतोष सिंह, परमात्मा मिश्र, कुंवर सिंह, शिवचरण प्रसाद, तयौं ब क उपाध्याय, विनोद पांडेय, पवन लाल, रमेश चंद्र मद्देशिया, दयाशंकर सिंह, अस्मुटजा त्रिपाठी, चन्दन तित्रिपाठी, राम चंद्र पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, समस्त सभासद गण सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गंगा की मधुर ताल और बनारसी लालित्य के साथ हुआ महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल 2023 का शुभारम्भ



प्रखर पूर्वान्धल वाराणसी। गंगा किनारे एक मनोरम प्रोग्राम से हुई महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल के सातवें संस्करण की शुरुआत 15वीं सदी के रहस्यवादी कवि, कबीर की बाणी से प्रेरित यह फेस्टिवल दिसम्बर की कड़क ठण्ड में गर्म-मसाला चाय की तरह है और आप बखूबी वाकिफ होंगे कि चाय को कौई

सर्दियों में गंगा में प्रवाहित होते सैंकड़ों दीयों की झिलमिलाहट और सुमधुर संगीत में वहाँ भौजूद प्रत्येक श्रोता मानो खुद को ही खो बैठा इस अवसर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के वार्ड्स प्रेसीडेंट और कल्वरल आउटरीच-हेड, जय शाह ने कहा, भारत की सांस्कृतिक चादर समृद्ध विरासत से बुनी गई है जिसमें असंख्य कला रूप, बोलियाँ और भाषाएँ शामिल हैं। संत कबीर का गहन योगदान इस विरासत का एक अभिन्न अंग है और उनकी शिक्षाएँ हमारे समकालीन समाज में शक्तिशाली रूप से गूज़ती हैं द्य महिंद्रा कबीरा फेरिट्वल का उद्घेश्य उनकी स्थायी विरासत का उन्नत समाज

ई फिर सनबीम स्कूल की दोषिमा गुप्ता ने अपनी मुमधुर प्रस्तुति से इस दो देवसीय महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल का शानदार उत्तरागाज किया इस शाम के युरर को और आगे बढ़ाया सेंगापुर में रहने वाली हैं दुस्तानी शास्त्रीय भाष्यायिका स्वेता किल्पाड़ी ने किल्पाड़ी ने बेहद दक्षता में कबीर के दोहों को बाचीन और नवीन धुनों के साथ प्रस्तुत किया कबीर अपने विचार रखते हुए किल्पाड़ी ने कहा मेरा जानना है कि भक्ति के मूर्त अपने कबीर ने अपने काव्य के जरिये दुनियाभर के लोगों को प्रभावित किया है कबीर का जीवन सही बायने में मनुष्य होने के पारने बगां करता है और उनके पद आज 650 साल बाद भी प्रासांगिक हैं उन्होंने आगे कहा कबीर का जीवन भक्ति, संतुलन, साम्रादायिक सोहार्द और प्रेम का प्रतीक है ये संदेश वे तब दे रहे थे जब देश की रुह विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण से घायल थी कबीर ने धर्म की रुढ़िवादिता का हमेशा विरोध किया। कल जब सूरज उगेगा तो गुलेरिया धाट पर फेस्टिवल की शुरुआत होगी प्रातर संगीत सत्र में संदीप सिंह ताउस वादन करेंगे और भुवनेश कोमली दिल को छू लेने वाली स्वरांजलि कुमार गंधर्व को समर्पित करेंगे द्य दोपहर के सत्रों में रोचक चर्चाएँ होंगी और फिर क्युरोटेड वॉक शाम के सत्र में पदम श्री अनवर खान मांगनियार और अचिन्ती देपाणांदे गाने परेंगे जो

